Hi desi lovers,

I am pulkit-19 belonging to north India. I belong to a very small family consisting of my dad and a 22 years old didi. 3 yrs back I got the unique opportunity to see my didi fucked by our tanent. We have a room on the roof top which my father rented to a 45 yrs old widower, Mr. Sameer Singh whom we call uncle. He is a pretty jolly type man working in a private company.Very soon he mixed up with all of us. Dad trusted him like younger brother. We did not have cable connection which he took only for us. His room and TV was at our disposal. We used to see TV by lying on his bed. He used to take us for drive every sunday.
I donot know when and how it happened but I noticed "***something"*** between didi and uncle. Whenever we see TV, didi used to lie between us. This was December 04 when I noticed this something in the quilt. When I noticed it few more times, I decided to leave them alone and confirm. Next day when didi was out, I searched her room and was surprised to find hindi blue books with nude photos, dirty stories in open language. I was now convinced that Mr. Sameer Singh is no more my ***uncle*** but has become my ***Jijaji***. So dear friends I started following them and got the oppurtunity to see didi-jijaji on a Saturday night. Actually my dad visits his parents living in a village every saturday. To make the story real and sexy I shall narrate that night in hindi and presenting it in pdf format. ***To dosto hazir hai bahan ki chudai bhai ki aankhon se……..***

उस शनिवार को जब पापा गाँव गये तो मैंने शाम से ही सर दर्द का बहाना बना दिया और जल्दी सोने चला गया । दीदी ने अंकल के यहाँ टीवी देखने के लिये कहा तो मैंने मना कर दिया तो दीदी ने भी अपना जाना कैंसल कर दिया और अपने कमरे में चली गयी। मैं ***सो*** गया। रात 10 बजे के करीब जब अंकल को पता चला तो वे मुझे देखने आये। मेरे सर पर हाथ फेरते हुए बोले कि कोई खास बात नहीं है सो जा ठीक हो जायेगा और फिर दीदी से बोले चल सीमा इसे सोने दे। और मेरा दरवाजा बन्द करते हुए वे दोनों बगल में दीदी के कमरे में चले गये। मैं चुपचाप उठा और दरवाजे पर कान लगा दिये।
आज मौका अच्छा है...आजा.... मुझे अंकल की धीमी आवाज सुनाई दी
नहीं राजा की तबियत ठीक नहीं है.... दीदी फुसफुसाई
कोई खास बात नहीं है सुबह तक ठीक हो जायेगा...
???????????
टीवी के बहाने आ जाना....बहुत दिन हो गये हैं रानी.....
उईईई...क्या करते हो.....यह दीदी की आवाज थी...शायद उसकी चूची दबायी थी
आज बहुत मन है...मैं दरवाजा खुला रखूंगा.....पुच्च.....चूमने की आवाज आयी
अच्छा बाबा देख लूंगी.....दीदी धीमे से बोली.....फिर अंकल चले गये.और दीदी वापस मेरे पास आ गयी। थोडी देर बाद बोली.....
नींद नही आ रही हो तो चल टीवी देखते है....
नहीं दीदी मेरे से उठा भी नहीं जा रहा...तू चली जा.....
अच्छा सो जा...मैं उपर जा रही हूँ कोई प्राब्लम हो तो फोन कर देना.....और वह चली गयी। मैने लगभग 15 मिनिट इंतजार किया फिर चुपचाप उठा और अन्दर की सीडी से उपर पहुंचा। अंकल के कमरे की एक खिडकी अन्दर खुलती थी। मैने खिडकी की दरार पर आंख टिका दी। अन्दर का सीन देखकर में सन्न रह गया। रजाई मे दोनों लिपटे हुए थे। अंकल ने उसे पूरी तरह से भींच रखा था और वे उसके होठ चूस रहे थे। रजाई के अन्दर का हाल भी साफ दिख रहा था। दीदी का सर अंकल के हाथ पर था और वे दूसरे हाथ से उसकी चूची दबा रहे थे । थोडी देर रगडने के बाद उन्होंने अचानक रजाई

हटा दी। दीदी कुलबुलाई पर वह उनके कब्जे में थी। उन्होंने उसे अपनी टांगों मे भींच रखा था। उसकी सलवार नीचे खिसकी हुई थी तथा कुर्ता उपर। दीदी का बेदाग बदन मेरे सामने था। उसका दूधिया शरीर एक दम चिकना था। चूत पर हल्की हल्की झांटों के अलावा शरीर पर कहीं भी बाल नहीं थे उसने दोनों टांगें भींच रखी थी। अंकल ने जैसे ही उसके होट छोडे तो उसने एक लम्बी सांस ली...

क्या करते हो....थोडा सब्र तो करो.....

कैसे सब्र करुं ...इतने दिनों के बाद मिली है मेरी जान.....चल अब नंगी हो जा.....

अभी से.....ऐसे मजा नहीं आयेगा.....दीदी उसे चूमते हुए बोली..

चिंता मात कर...ऐसी मस्त चुदाई करूंगा कि याद रखेगी.....देख लंड कैसे फनफना रहा है.....

फिर भी.....

पर अंकल ने उसकी एक न सुनी और उसे नंगा करना शुरू किया। मेरी सांस रुक रही थी। दीदी का दूध जैसा गोरा और केले सा चिकना बद्न मेरे सामने था। मैं रोमांचित हो रहा था। मेरी प्यारी बहन चुदने जा रही थी। फिर अंकल लेटे लेटे ही नंगे हो गये। 45 साल कि उम्र में भी उनका शरीर गठा हुआ था। तभी मेरी निगाह उनके लंड पर पडी उनका 7' लम्बा और खूब मोटा लंड तना हुआ था।

हे भगवान.....इतने तगडे लंड से चुदेगी मेरी प्यारी बहन.....मैं सोच सोच कर मरा जा रहा था.....कैसे झेला होगा पहली बार...बहुत तडफी होगी.....

अंकल ने उसे फिर से लिपटा लिया और वह भी बेल की तरह लिपट गयी। वे उसकी चूची और गांड भींच रहे थे। फिर उन्होंने दीदी का हाथ अपने लंड पर रख जिसे उसने आराम से पकड लिया और सहलाने लगी। फिर अंकल उपर आये और टांगें चौडा दी। दीदी ने अपने पैर उपर उठा लिये। उसकी मख्खन जैसी चूत मेरे सामने थी। छोटी छोटी झांटों के बीच चमक रही थी। अंकल ने लंड दरार मे फेरना शुरू किया तो वो आह्ह आअह्ह करने लगी। थोडी देर रगडने के बाद उन्होंने लंड को चूत पर टिकाया और एक हल्का सा धक्का मारा। लंड का सुपाडा अन्दर समा गया। फिर उन्होंने अपने हाथ उस्के दोनों ओर जमाये और लंड को कुछ एडजस्ट सा किया और फिर एक जोरदार शॉट मे पूरा पेल दिया....दीदी के मुँह से एक आह निकली पर उनपर तो जनून सवार था..उन्होंने पूरा लंड बाहर खींचा और फिर एक जोरदार धक्का मारा...और फिर पलंग की चरमराहट और दीदी की आह्ह आह्ह्ह के बीच चूत पर पडने वाली पट्ट पट्ट की आवाज से कमरा गूंजने लगा। लगभग 10 मिनिट सीधे चोदने के बाद उन्होंने उसे घोडी बनाया और फिर पेलना शुरू कर दिया। दीदी की आह्ह आह्ह और तेज हो गयी। थोडी देर बाद उन्होंने उसे फिर सीधा किया और तकिये ने नीचे से कंडोम निकाला.....

ले चडा इसे......दीदी मदहोश थी...उसने लंड पौंछा और कंडोम चडा दिया.....अंकल ने कपडे से उसकी चूत पौंछी और फिर टिका दिया। अंकल ने लंड चूत मे धीरे से उतारा और उसपर लेटकर चूमने लगे। चूमते चूमते वे उसकी चूची दबा रहे थे और साथ ही लौडा चूत मे हिला रहे थे.....

आअह्ह्ह मेरी जान ...क्या मस्त बदन है तेरा ...मजा आरहा है....

उउह्ह्ह...आअह्ह...अब जल्दी करो ना...

ले तो साली चल अब टांगें उठा ..... दीदी ने टांगें उपर उठा कर चौडा लीं अंकल ने लंड सैट किया और एक बार फिर कमरा गूंजने लगा....5 - 7 मिनिट पूरी ताकत से चोदने के बाद वे उसपर पड गये। दीदी ने भी टांगें सीधी करली। थोडी देर ऐसे लेटने के बाद वे उठे तो मैं भागकर नीचे आगया।

मेरी क्या हालत हुई होगी इसकी तो आप खुद ही कल्पना कर सकते हैं.....